http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 55

प्रयागराज सोमवार 11 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पीडीए का असली नाम प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी: सीएम योगी

अम्बेडकरनगर,(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कटेहरी से सपा पर निशाना साधा। कहा कि 500 वर्ष पहले बंटे थे। आज

एकजुट हुए तो मंदिर भी बन गया। देश की सीमा भी सुरक्षित हो गई। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले की कटेहरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इसको लेकर रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ यहां पहुंचे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा कटेहरी बाजार स्थित राम देव जनता इंटर कॉलेज में हुई। बिंदुवार पढ़िए सीएम की बड़ी बातें– हरियाणा में जनता ने तीसरी बार एनडीए की सरकार बनाया है। जनता को पता है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन देश के लिए खतरनाक है। अयोध्या में 500 वर्ष तक मंदिर नहीं बना क्योंकि बटे थे तो कटे थे। अब एकजुट हुए तो मंदिर भी बना और देश की सीमा भी सुरक्षित हो गई। पाकिस्तान घुसपैठ करता था। चीन करता था। हम लोग संसद में आवाज उठाते थे कि मुंह तोड़ जवाब दो। पर संबंध खराब होने का हवाला देते थे। अब दुश्मन की धज्जियां उड़ा दी जाती हैं। सर्जिकल स्ट्राइक होती है। अब नया भारत है। छेड़ता नहीं लेकिन छोड़ता भी नहीं। सपा कांग्रेस एक ही थैली के चट्टे बट्टे हैं। कन्नौज गया तो पता चला कि बाबा साहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम सपा ने बदल दिया था। हमने बाबा साहब के सम्मान में फिर से नाम कर दिया। इन्होंने एससी–एसटी की छात्रवृति रोक दी थी, हमने बहाल किया। क्योंकि हम सबका साथ सबका विकास पर काम कर रहे हैं। सपा कटेहरी को परिवारवाद का गढ़ बना देना चाहती है। शिवबाबा धाम, श्रवणधाम के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया। हमने अयोध्या के साथ यहां भी विकास का ध्यान दिया। डॉ लोहिया को याद करते हुए कहा कि समाजवादी आंदोलन को लोहिया, जयप्रकाश नारायण जैसे लोग नेतृत्व देते थे।

झारखंड में पीएम मोदी ने भरी चुनावी हुंकार, बोल....

हम एक रहेंगे, सेफ रहेंगे

- मोदी बोले- झारखंड को हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे: कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पा रही इसलिए समाज तोड़ रही
- जनता के हक की सुविधाएं जेएमएम और कांग्रेस लूट लीं

रांची,(एजेंसी)। बीते 10 दिनों में यह पीएम मोदी का झारखंड का दूसरा दौरा है। बीते सप्ताह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद यानी 5 नवंबर को पीएम मोदी ने राज्य का दौरा किया। उस दौरे में वह चाईबासा और गढ़वा पहुंचे थे। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड पहुंचे। यहां उनका एक मेगा रोड शो और चुनावी रैलियों का कार्यक्रम है। सबसे पहले पीएम मोदी ने बोकारो में एक जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा के पक्ष में प्रचंड आंधी चल रही है। छोटा नागपुर का ये पठार भी कह रहा है– रोटी–बेटी–माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा–छक। सरकार। भाजपा–छक। का यहां एक ही मंत्र है। हमने झारखंड बनाया है, हम ही झारखंड संवारेंगे। ऐसे लोग कभी झारखंड का विकास नहीं करेंगे, जो झारखंड राज्य के निर्माण के विरोधी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले, 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, मैडम सोनिया सरकार चलाती थीं और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के

रूप में बिठाया था। उस समय केंद्र सरकार ने झारखंड को 10 साल में बड़ी मुश्किल से 80 हजार करोड़ रुपये दिए थे। 2014 के बाद दिल्ली में सरकार बदली, आपने अपने इस सेवक मोदी को सेवा करने का मौका दिया और बीते 10 साल में हमने झारखंड को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा चाहती थी कि गरीब को पक्का घर मिले, शहरों–गांवों में अच्छे रास्ते बनें, बिजली–पानी मिले, इलाज की सुविधा हो, पढ़ाई की सुविधा हो, सिंचाई के लिए पानी मिले, बुढ़ापे में दवाई मिले, लेकिन श्रडड सरकार के पिछले 5 साल में आपके हक की ये सुविधाएं श्रडड और कांग्रेस के लोगों ने लूट लीं। श्भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए लड़ाई लड़ेंगेश पीएम मोदी ने कहा कि आप मुट्ठीभर बालू के लिए तरस रहे हैं, और इनके नेता बालू की तस्करी करके करोड़ों कमा रहे हैं। इनके पास से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। अब आपने भाजपा–छक। सरकार बनाने का निर्णय कर लिया है। मैं आपसे वादा करता हूं कि सरकार बनने के बाद इन भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हम अदालत में पूरी लड़ाई लड़ेंगे।

किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

जम्मू,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। पुलिस ने कहा कि किश्तवाड़ के केशवान इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर शुरू किए गए घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) के दौरान तलाशी दल पर गोलीबारी की गई। पुलिस ने कहा, "सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई।" उन्होंने कहा कि माना जा रहा है कि गोलीबारी में तीन से चार आतंकवादी फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, "यह वही समूह है जिसने दो निर्दोष ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) को मार डाला था।" किश्तवाड़ जिले के एक दूरदराज के हिस्से में 7 नवंबर को आतंकवादियों ने दो ग्राम रक्षा गार्डों (वीडीजी) की हत्या कर दी थी। इन वीडीजी की पहचान नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के रूप में हुई है। दोनों ओहली, कुंतवाड़ा के निवासी है और अपने मवेशियों को चराने के लिए मुंजला धार (अधवारी) जाते थे, लेकिन उस दिन वापस नहीं लौटे। बाद में शव बरामद किये गये।

क्या सावरकर के लिए दो अच्छे शब्द बोल पाएंगे राहुल ?: अमित शाह

मुंबई,(एजेंसी)। अमित शाह ने कहा कि हमने इस संकल्प पत्र के माध्यम से महापुरुषों की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासतों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी रखा है। अराजकता फैलाकर विकास के नाम पर विफल राज्य देने वालों की विफलताओं से बोध लेकर मजबूत, समृद्ध और सुरक्षित महाराष्ट्र के लिए योजनाएं भी हमारे इस संकल्प पत्र में हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा का श्संकल्प पत्रश जारी किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे। शाह ने उद्धव ठाकरे, शरद पवार और नाना पटोले को आड़े हाथों लिया। इसके अलावा उन्होंने संविधान के मुद्दे पर राहुल गांधी को जमकर घेरा। उन्होंने जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 और

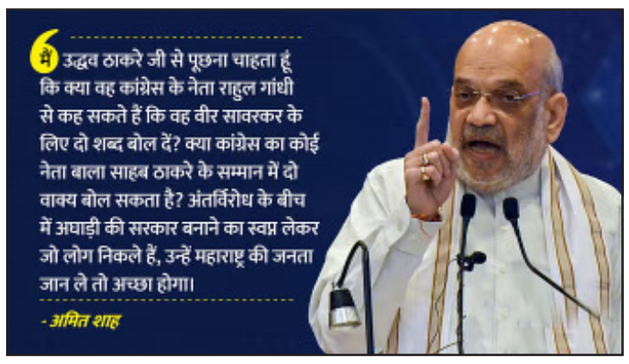

वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर भी विपक्ष को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि अघाड़ी की सारी योजनाएं सत्ता की लालच में तुष्टिकरण की हैं, विचारधाराओं का अपमान करने वाली हैं और महाराष्ट्र की संस्कृति से छल करने वाली हैं। मैं उद्धव ठाकरे जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वह कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से कह सकते हैं कि वह वीर सावरकर के लिए दो शब्द बोल दें? क्या कांग्रेस का कोई नेता बाला साहब ठाकरे जी के सम्मान में दो वाक्य बोल सकता है? अंतर्विरोध के बीच में अघाड़ी की सरकार बनाने का स्वप्न लेकर जो लोग निकले हैं, उन्हें महाराष्ट्र की जनता जान ले तो अच्छा होगा। आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा उन्होंने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि उलेमाओं के एक संगठन ने अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की मांग की और कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोला ने इसे स्वीकार किया। क्या महाराष्ट्र के लोग अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का अधिकार मुसलमानों को देने के पक्ष में हैं? हमारे संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है। भाजपा देश में धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देगी। हालांकि, कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले आरक्षण का वादा किया था और लोगों को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए। कांग्रेस ने अपने शासन वाले राज्यों जैसे– हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में चुनाव पूर्व वादों को पूरा नहीं किया। इसीलिए महा विकास आघाडी की कोई विश्वसनीयता नहीं है।शरद पवार से भी पूछा सवाल अमित शाह ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के मुखिया और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के चाचा शरद पवार पर भी बड़ा हमला बोला।

महाराष्ट्र की जनता को महाविकास अघाड़ी ने दी 5 बड़ी गारंटियां

मुंबई,(एजेंसी)। महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र श्महाराष्ट्रनामाश जारी किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाविकास आघाड़ी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में गठबंधन का घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में एमवीए ने महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए देने का वादा किया है। इसके अलावा युवाओं को 4000 रुपए मासिक स्टाइपेंड देने की बात कही है। किसानों के लिए भी घोषणाएं की गयी है। महाराष्ट्र के लिए महाविकास आघाड़ी की 5 गारंटी महाविकास आघाड़ी ने की गारंटियों की घोषणाएं करते हुए खड़गे ने कहा, श्महाराष्ट्र में लोग महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों से परेशान हैं। राज्य के किसान भी बदहाल हैं। इसीलिए हमने महाराष्ट्र की तरक्की और खुशहाली के लिए अपना मेनिफेस्टो श्महाराष्ट्रनामाश लॉन्च किया है।श – महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा महिलाएं बस में फ्री में यात्रा कर पाएंगी। – कुटुंब रक्षा के तहत 25 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना महाराष्ट्र में लागू की जाएगी। मुफ्त में दवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। – कृषि समृद्धि के तहत किसानों का 3 लाख रुपए कर्ज माफ किया जायेगा। नियमित कर्ज चुकाने पर 50000 रुपए का प्रोत्साहन दिया जायेगा। – युवाओं को हर महीने 4000 रुपए की मदद दी जाएगी। – जातिगत जनगणना कराई जाएगी और 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटाई जाएगी।

हम बिल्कुल परेशान नहीं, अदालत भी है: पूर्व सीएम येदियुरप्पा

- मौजूदा सरकार से खुश नहीं लोग: येदियुरप्पा

बंगलूरू,(एजेंसी)। कोरोना महामारी के दौरान फंड में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। इस कथित घोटाले में जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा ने हाल ही में सरकार को एक प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी है। इसी पर अब भाजपा नेता ने प्रतिक्रिया दी है। कर्नाटक में इन दिनों घोटालों का मुद्दा छाया हुआ है। मुदा और वाल्मिकी कॉरपोरेशन घोटाले को लेकर कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार विपक्ष के निशाने पर है। अब कर्नाटक में एक नए घोटाले के आरोप लग रहे हैं और इस बार निशाने पर पूर्ववर्ती भाजपा सरकार है। दरअसल, कोरोना महामारी के दौरान फंड में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। इस कथित घोटाले में जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा ने सरकार को एक प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी है। इस रिपोर्ट के बारे में जब पूर्व सीएम और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह इस तरह के

आरोप से बिल्कुल परेशान नहीं हैं। येदियुरप्पा ने कहा, श्मैं ऐसे किसी भी आरोप से बिल्कुल भी परेशान नहीं हूं। हम इसके परिणाम भुगतेंगे। एक अदालत भी है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई समस्या है।श प्रधानमंत्री ने जो कहा वह 100 फीसदी सही वहीं, प्रधानमंत्री के बयान श्कांग्रेस ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए कर्नाटक की शराब की दुकानों से पैसे एकत्र किएश पर भाजपा नेता ने कहा, श्प्रधानमंत्री ने जो कहा वह 100 फीसदी सही है। उन्होंने यहां जमकर लूटपाट की। अब वह वह रकम महाराष्ट्र चुनाव के लिए भेजी है।श मौजूदा सरकार से खुश नहीं लोगरू येदियुरप्पा कर्नाटक विधानसभा उपचुनावों पर कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने कहा, श्मुझे 100 फीसदी यकीन है कि हम लगभग तीनों सीटें जीतने जा रहे हैं क्योंकि मैं तीनों जगहों पर गया हूं।

माहौल बहुत अच्छा है। भ्रष्टाचार के इतने सारे आरोपों के कारण लोग मौजूदा सरकार से खुश नहीं हैं। इसलिए, मुझे 100 फीसदी विश्वास है कि हम लगभग सभी तीन सीटें जीतने जा रहे हैं।श क्या है एक हजार करोड़ की हेराफेरी का आरोप? कोरोना के समय कर्नाटक में भाजपा की बीएस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे।

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर लगाया निजी निवेश और व्यापक उपभोग को पटरी से उतारने का आरोप

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि भारत लगातार आय में स्थिरता के कारण मांग के संकट का सामना कर रहा है। मुख्य विपक्षी दल ने कहा कि संप्रग सरकार के दौरान लगातार जीडीपी वृद्धि को गति देने वाला निजी निवेश और व्यापक उपभोग का दोहरा इंजन मोदी सरकार के पिछले दस वर्षों में पटरी से उतर गया है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सरकार से कहा कि वह कांग्रेस के प्रस्तावों को स्वीकार करे, जिसमें ग्रामीण भारत में आय वृद्धि को गति देने के लिए मनरेगा मजदूरी को न्यूनतम 400 रुपये प्रतिदिन तक बढ़ाना, किसानों के लिए एमएसपी और ऋण माफी की गारंटी देना तथा महिलाओं के लिए मासिक आय सहायता योजना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि समय बीतने के साथ ही भारत के घटते उपभोग की त्रासदी अधिक स्पष्ट होती जा रही है। उन्होंने एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह, भारतीय उद्योग जगत के कई सीईओ ने सिकुड़ते मध्य वर्ग पर चिंता जताई थी और अब, नाबार्ड के अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (एनएएफआईएस) 2021–22 के नए आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत के मांग संकट की वजह लगातार आय में स्थिरता है। रमेश ने सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि औसत मासिक घरेलू आय कृषि परिवारों के लिए 12,698 रुपये से 13,661 रुपये और गैर–कृषि परिवारों के लिए 11,438 रुपये है।

उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अनुमानित प्रति व्यक्ति आय 2,886 रुपये प्रति माह है, जो प्रतिदिन 100 रुपये से भी कम है।

इसलिए ज्यादातर भारतीयों के पास बुनियादी जरूरतों के अलावा विवेकाधीन उपभोग के लिए बहुत कम पैसा है।

बटेंगे तो कटेंगे नारा महाराष्ट्र में नहीं चलेगा: अजित पवार

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच डिप्टी सीएम और भाजपा–शिवसेना गठबंधन महायुति में शामिल अजित पवार ने कहा कि, श्बटेंगे तो कटेंगे का नारा उत्तर प्रदेश और झारखंड में चलता होगा, महाराष्ट्र में नहीं चलेगा। मैं इसका समर्थन नहीं करता। हमारा नारा है– सबका साथ सबका विकास।श दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झारखंड और महाराष्ट्र की रैलियों में श्बटेंगे तो कटेंगेश और श्एक रहेंगे तो नेक रहेंगेश का नारा दे रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी चुनावी रैलियों में श्एक रहेंगे सेफ रहेंगेश का नारा दिया है। पवार ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा– श्दूसरे राज्यों के भाजपा के मुख्यमंत्री तय करें कि उन्हें क्या बोलना है।

- योगी आदित्यनाथ के बयान का विरोध किया, कहा- ये सब यूपी–झारखंड में चलता होगा

महाराष्ट्र में बाहर के लोग आकर ऐसी बातें बोल जाते हैं। हम महायुति में एक साथ काम कर रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टियों की विचारधारा अलग–अलग है। हो सकता है कि दूसरे राज्यों में यह सब चलता हो, लेकिन महाराष्ट्र में ये काम नहीं करता।श शिवसेना बोली– अजित पवार इसका मतलब आगे समझेंगे अजित पवार के बयान पर शिवसेना (शिंदे गुट) नेता संजय निरूपम ने कहा– योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं कि अगर आप बिखर जाते हैं, तो कमजोर हो जाते हैं।

अगर आप एकजुट रहते हैं, तो मजबूत रहते हैं। अजित दादा आज नहीं समझ रहे हैं, आगे समझ जाएंगे। श्बटेंगे तो कटेंगेश ये लाइन बिल्कुल चलेगी। अजित दादा को समझना पड़ेगा।

सम्पादकीय

प्रजा के हित में प्रजातंत्र?

प्रजातंत्र अब तक मानव मस्तिष्क द्वारा खोजे गए शासन के तरीकों में से बेहतरीन तरीका साबित हुआ है। आखिर शासन की जरूरत क्यों पड़ी होगी? जब मनुष्य कबीलों में रहता था तो भोजन, आवास की बुनियादी सुविधाओं को जुटाने के लिए आपस में मिल–जुलकर कार्य करने की जरूरत पड़ी होगी जिसके लिए कुछ नियम बने होंगे। मानव सहज वृतियों के चलते टालमटोल करके मेहनत से बचने का प्रयास कर सकता है, कोई अपनी जरूरत से ज्यादा झपटने का प्रयास कर सकता है, इसलिए कबीले के भीतर मुखिया जैसी व्यवस्था खड़ी हुई होगी। फिर दूसरे कबीले एक–दूसरे के संसाधनों पर कब्जा करने के लिए हमलावर हो सकते थे, उनसे सुरक्षा की जरूरत थी। तीसरी जरूरत आंधी, तूफान, ठंड, गर्मी, बाढ़ जैसे प्राकृतिक प्रकोपों से मिलजुल कर बचाव के लिए समूह की थी। धीरे–धीरे आपस में न्याय, दूसरों से सुरक्षा और प्रकृति से सुरक्षा के लिए ढांचागत निर्माण, वनोपज और शिकार के हथियारों आदि के लिए धीरे–धीरे कुछ नियमों द्वारा समाज के संचालन की शुरुआत हुई और इसी से शासन पद्धतियों का विकास हुआ। एक समय तक मनुष्य को यह समझ आ गया कि शक्ति हाथ में आ जाने के निजी लाभ भी हैं, इसलिए शासन को शक्ति द्वारा हथियाने के प्रयास शुरू हुए। छोटे–छोटे रजवाड़े और बाद में बड़े–बड़े साम्राज्य खड़े होते गए। जैसे–जैसे साम्राज्यों का विस्तार होता गया वैसे–वैसे शासन द्वारा आंतरिक और बाह्य स्तर पर लूट–खसोट के अवसर भी बढ़ते गए। आधुनिकता के साथ–साथ उद्योग और व्यापार में बढ़ोतरी हुई। अब समाज अपने जीवन–यापन योग्य उत्पादों को पैदा करके आत्मनिर्भरता तक सीमित न रहकर, जरूरत से ज्यादा वस्तुओं का उत्पादन करके उनका व्यापार करके अतिरिक्त आय सृजन के अवसर तलाशने लगा। ऐशो–आराम के साधन जुटाने के साथ बड़ी–बड़ी सेनाएं भी रखने लगा। बड़ी सेनाओं के बूते दूसरे देशों के संसाधनों को कब्जा करने, अपनी धार्मिक मान्यताओं को जबरदस्ती दूसरे लोगों पर थोपने का क्रम आरंभ हुआ। इससे आन्तरिक और बाह्य दोनों तरह का अन्याय बढ़ता गया। इसी कष्ट से मुक्ति के प्रयास के फलस्वरूप प्रजातंत्र का उदय हुआ। इसके पीछे मूल भावना यह थी कि कोई एक राजा नहीं होगा जो जब चाहे तब तक, मनमाने फैसले करके जनता और विश्व–समाज का शोषण करता रहे। इसकी बजाय समाज सामूहिक रूप से अपने लिए स्वयं निर्णय करके निश्चित अवधि के लिए सरकार चुने। भारत में इस तरह के प्रयोग स्वतंत्र जनपदों के माध्यम से हुए जिन्हें श्संघश या श्गणश कहा जाता था। यूरोप में वर्तमान प्रजातंत्र का उदय हुआ। यूनान के एथेंस को वर्तमान प्रजातंत्र का जनक माना जाता है। लंबे समय तक कई बदलावों और संघर्षों के बाद ब्रिटेन में पहली पार्लियामेंट 1707 ईस्वी में बनी। हालांकि तब तक प्रजातंत्र का स्वरूप सीमित अभिजात्य वर्ग तक ही उपलब्ध था। अमेरिका ने सीमित प्रजातंत्र की अवधारणा को अमान्य करके 1776 में श्अमेरिकन स्वतंत्रता की उद्घोषणाश में कहा कि श्सभी मनुष्य समान बनाए गए हैं, उन्हें पैदा करने वाले ने कुछ अधिकार दिए हैं जिनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता, जिनमें से जीवन, स्वतंत्रता और प्रसन्नता प्राप्त करने के प्रयास करने का अधिकार मुख्य हैं। कालांतर में अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने प्रजातंत्र को श्लोगों की, लोगों के द्वारा और लोगों के लिए सरकारश के रूप में परिभाषित किया। मानवाधिकारों की रक्षा करते हुए व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से विकास करने का वातावरण बनाते हुए लोग स्वयं अपने लिए जब शासन व्यवस्था का संचालन कानून के अनुसार करते हैं तब प्रजातंत्र फलीभूत होता है। प्रजातंत्र का आधार मौलिक अधिकार हैं और समानता को चरितार्थ करने के लिए कानून का शासन मुख्य उपकरण है। कघनून का सर्वोच्च प्रकार संविधान है जिसके दायरे में रहकर बाकी कघनून बनाए जाते हैं। कोई कघनून ठीक नहीं है तो उसको संशोधित करने की व्यवस्था होती है, किन्तु जब तक है तब तक उसको मानना पड़ता है। सब पर बराबर लागू होने को कघनून का शासन कहा जाता है। शासन के मुख्य काम न्याय करना, कघनून बनाना, प्रशासन संभालना और विकास की नीतियों और कार्यों को लागू करना होते हैं। यदि एक ही व्यक्ति कघनून बनाएगा, न्याय करेगा और प्रशासन चलाएगा तो वह तानाशाह बन सकता है, इसीलिए इन तीनों शक्तियों को अलग–अलग संस्थाओं के हाथ में रखा जाता है जिसे हम श्शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांतश कहते हैं। मोटे तौर पर प्रजातांत्रिक प्रणालियां कई प्रकार की हैं जिनमें श्प्रत्यक्ष प्रजातंत्र,श श्अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र,श श्संसदीय प्रणालीश और श्संघीय प्रणालीश मुख्य हैं। स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष प्रणाली है, तो भारत और ब्रिटेन श्संसदीय प्रणालीश के और अमेरिका श्संघीय प्रणालीश से शासित हैं। छोटे देशों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र संभव है, जहां समय–समय पर लोग इकत्रा होकर फैसले ले सकते हैं, किन्तु बड़े देशों में चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा शासन चलाया जाता है। चुने हुए प्रतिनिधि कई बार समाज से कट जाते हैं या निजी स्वार्थवश जनहित की अनदेखी कर सकते हैं इसलिए जीवंत प्रजातंत्रों में सरकारों को समय–समय पर चेताने और जमीनी समस्याओं की जानकारी देने का काम स्वतंत्र मीडिया करता है। इसके साथ ही हर वर्ग को अपने–अपने हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाने की छूट रहती है। इससे सरकारों को जमीनी स्तर पर हर पक्ष की बात जानने का मौका रहता है। कई बार सरकारें सामाजिक संगठनों द्वारा आवाज उठाने को सरकारों का विरोध मानकर दबाने का प्रयास करने लगती हैं जिससे मुद्दों पर सर्वांगीण विचार और बहस के मौके समाप्त हो जाते हैं। व्यापक जनहित में ही सरकारें काम करती हैं, किन्तु बहुत सी बातें सरकारों के ध्यान में नहीं भी आ सकतीं। ऐसी स्थिति में सामाजिक संगठन उस कमी को पूरा करते हैं और प्रजातंत्र को मजबूत और सर्वसमावेशी बनाते हैं। यदि ये सामाजिक संगठन वैज्ञानिक समझ और शोध के आधार पर अपनी बात रखें तो सरकार को भी अपने कर्तव्य निर्वहन में मदद मिलती है। प्रजातंत्र की मजबूती के लिए सरकारों को इन सभी स्तंभों को पुष्ट करते रहना और उचित व्यवस्था बनाते रहना चाहिए। जहां भी मतभेद हों वहां चर्चा करके मार्ग निकालना चाहिए। मीडिया और सामाजिक संगठनों का भी दायित्व है कि वे निष्पक्षता से काम करें। किसी दलगत सोच के पक्षधर होने से वे अपनी भूमिका से हट जाते हैं। आचार्य विनोबा भावे ने सामाजिक संगठनों की इसी भूमिका को इंगित करते हुए श्आचार्यकुलश संस्था की स्थापना की थी। इसका मुख्य कार्य समाज का मुद्दा आधारित निष्पक्ष मार्गदर्शन करना था। अपनी निष्पक्षता को असंदिग्ध और दृढ रखने के लिए इसके सदस्यों से दलगत गतिविधियों से दूर रहने, यहां तक कि वोट भी न डालने की अपेक्षा की गई थी।

दिशाहीन,ढिवादिता और अंधविश्वास की डगर,वैज्ञानिक शिक्षा ज्ञान का नवीन स्वरूप

संजीव ठाकुर

भारतीय समाज एक बहुभाषी, बहु सांस्कृतिक, बहुजातीय, बहु धार्मिक समाज है। एक नजर में इसकी प्रगाढ़ता और इसके विराट स्वरूप को समझना अत्यंत कठिन है। भारतीय समाज की गहरी और विशाल संरचना को, उसके विभिन्न आयामों को समझना हमारे लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी। हमारा समाज एक विशिष्ट और उत्कृष्ट समाज है, जो अनेक संस्कृतियों, रीति–रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और जीवनशैली में गुथा हुआ है। रोजमर्रा की जीवन शैली में भारतीय समाज की विशिष्ट पहचान दृष्टिगोचर होती है। यह समाज जहां अपनी पुरातन अंधविश्वासी रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ा है, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक विकास के साथ अग्रसर होने की चाह में आगे बढ़ रहा है। भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता के विकास के बीच अंतर्द्वंद में फंसा हुआ है। एक और भारतीय समाज पश्चिम से प्रेरित होकर भौतिकता की चकाचौंध के पीछे भाग रहा है वहीं दूसरी तरफ अपनी पुरातन आध्यात्मिक परंपराओं का भी बखूबी निर्वाहन करने का प्रयास भी कर रहा है। किंतु समाज में यह अंतर्द्वंद बना हुआ है कि वह योग को अधिक महत्व दे अथवा भोग को, इससे इतर भारतीय समाज आश्चर्यजनक रूप से दोनों को अपनाते हुए आगे की ओर अग्रसर है। भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नई परिभाषाएं लिख रहीं है वही देश में शिशु लिंगानुपात हर जनगणना में घटता जा रहा है। सामाजिक कुरीतियों में कमी तो आई है पर महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और यौन अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

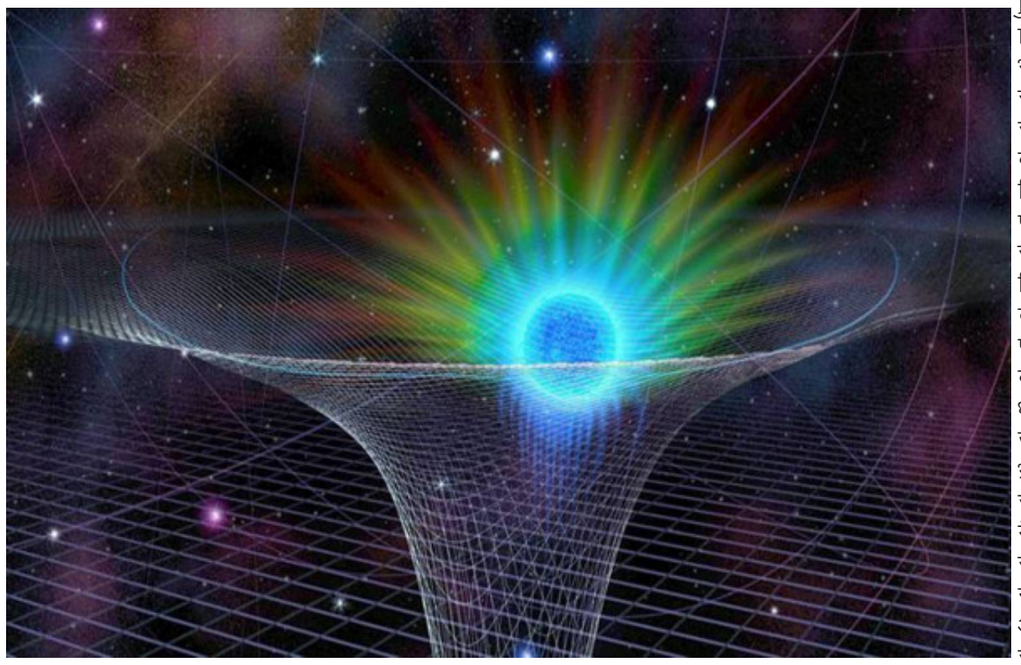

हमारे समाज में बेटियां नाम कमा कर माता–पिता का नाम रोशन तो तेजी से कर रही हैं पर भ्रूण हत्या की दरों में अनावश्यक तेजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। यही अंतर्विरोध ही समाज को चिंतनीय भी बना रहा है। सबसे ताजा खबरों में हरनाज संधु ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है, और देश का नाम ऊंचा कर गौरव हासिल किया है। भारतीय लड़कियों ने फैशन में एक नया मुकाम बनाया है आज आधुनिक पेंट, जींस पहन कर लड़कियां आगे बढ़ने को आतुर है। दूसरी तरफ खानपान में जहां भारतीय पारंपरिक व्यंजन डोसा, सांभर, इडली, पंजाबी ,मसालेदार भोजन ग्लोबल स्तर पर छा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पारंपरिक भोजन ही कर रहे हैं हमने पिज्जा, पास्ता, मैक्सिकन, इटालियन, चाइनीस और कॉन्टिनेंटल फूड को भी आमजन का खाद्य पदार्थ बनाया हुआ हैं। भारतीय समाज रूढ़िवादी संस्कारों को पूरी तरह निभाने का प्रयास कर रहा है दूसरी तरफ लिव इन रिलेशनशिप में युवक युवतियां महानगरों में बड़े आराम से जीवन जी रहे हैं। रूढ़िवादिता तथा पश्चिम के खुले पन और उन्मुक्त होता का एक फ्यूजन तैयार हो रहा है। हमारा समाज आधुनिक अनश्वर को अपनाता है वहीं नवीन वैज्ञानिक पद्धति को भी अपना रहा है और नवयुग की ओर आकर्षित हो रहा है। दूसरी तरफ अपने पारंपरिक दार्शनिक धार्मिक मूल्यों जैसे ज्ञान, भक्ति, कर्म मार्ग, अवतारवाद, पुनर्जन्म, आस्था तथा मोक्ष की अवधारणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर अभी भी आस्थावान है। धर्म तथा अध्यात्म का आकर्षण कम होने के स्थान पर ज्यादा हुआ है। धार्मिक स्थलों के बढ़ते निर्माण धर्म गुरु के सत्संग, प्रवचन, पूजन, भजन ,कीर्तन, अजान ,अरदास, उपवास, रोजा, तीर्थ स्थलों, दरगाह पर भारी भीड़ यह सब सिद्ध करते हैं कि भारतीय समाज आधुनिक होने के साथ–साथ अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर भी विश्वास रखता है। इन्हीं सब कारको के कारण रूढ़िवादिता तथा पाश्चात्य दर्शन का अंतर्विरोध स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। एक और पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखते हुए हम भारतीय समावेशी विकास की बात करते हैं। वहीं दूसरी तरफ विकास के नाम पर खनन, पेडो की बेतरतीब कटाई जारी रख पर्यावरण की धज्जियां उड़ाते हैं। जल, जंगल, जमीन से लेकर हवा तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है, इससे रूढ़िवादिता और पश्चिमीकरण मैं द्वंद स्पष्ट उजागर होता है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय समाज ने अपने संविधान के निर्माण और व्यवस्था के गठन तक में रूढ़िवाद और आधुनिकता दोनों का समन्वय बनाकर दोनों ही वाद को पर्याप्त स्थान दिया है। परंपरागत मूल्यों को जहां मौलिक कर्तव्य राज्य नीति के निर्देशक तत्व और प्रस्तावना में स्थान दिया है। इसके अलावा मौलिक आजादी के समानता के सिद्धांत को फ्रांस से, संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से और मानवीय मूल अधिकार को अमेरिका से ग्रहण करने में जरा भी संकोच नहीं किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्तर पर भी भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता की ओर एक साथ बढ़ने का प्रयास कर रहा है। एलोपैथी पद्धति से इलाज ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है वही आयुर्वेद योग, परंपरागत आयुर्वेद, ध्यान, नेचुरोपैथी आदि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में भी लोगों की रुची बड़ी तेजी से बढ़ी है। रविंद्र नाथ टैगोर जी ने कहा है श्आधुनिकता पोशाक में नहीं विचारों में होनी चाहिएश भारतीय समाज बाह्य वस्तुओं के साथ–साथ वैचारिक और संस्कृति स्तर पर भी रूढ़िवादिता और आधुनिकता दोनों की ओर एक साथ बढ़ने का प्रयास कर रहा है। ऐतिहासिक तौर पर भी भारतीय कला और संस्कृति का विकास स्वयं में रूढ़िवादिता और आधुनिकता के समन्वयक का उत्कृष्ट उदाहरण अमीर खुसरो भारतीय वीणा और इरानी तंबूरे को मिलाकर सितार बना रहे थे। स्थापत्य की नागर शैली व मूर्ति कला की गंधार शैली अलग–अलग भारतीय व बाह्य कलाओं के समन्वय का उत्कृष्ट परिणाम है। मुस्लिम स्थापत्य पर भारतीय प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। हिंदी और फारसी के सहयोग से उर्दू का जन्म भारतीय समाज की ही देन है। इसीलिए यह बात स्पष्ट है कि रूढ़िवादिता और पाश्चात्य दर्शन के अनुसरण के लिए भारतीय जनमानस को दोनों दर्शन के सर्वोत्कृष्ट तत्वों को चुनकर उसे अंगीकार करना चाहिए। जिससे भारतीय समाज में विकास की गति भारतीय संस्कृति तथा आधुनिकता के साथ साथ तीव्र गति से हो पाए और मानव कल्याण संभव हो पाए।

कायम रहेंगे अमेरिका–भारत के गर्मजोशी भरे रिश्ते

मयंक छाया

अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से चुने जाने के साथ हाल के वर्षों में नई दिल्ली के प्रति वाशिंगटन के सौहार्द्रपूर्ण संबंधों की गर्मजोशी कायम रहने की संभावना है। ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बहुचर्चित व्यक्तिगत श्दोस्तीश से द्विपक्षीय कूटनीति में आसानी बढ़ने की उम्मीद है। बहरहाल, मार्च 2000 में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के बाद से दोनों लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में गहरा बदलाव आया है। यह पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के 1978 में भारत आने के लगभग चौथाई सदी के बाद की बात है। क्लिंटन के उत्तराधिकारियों जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा, ट्रम्प और राष्ट्रपति जो बाइडेन के तहत ये संबंध उत्तरोत्तर मजबूत हुए हैं। एक मायने में वैश्विक परिस्थितियों में आए बदलाव ने भारत–अमेरिका संबंधों को पिछले तीन दशकों में चीन के नाटकीय उदय को समानांतर ढंग से संगठित कर दिया है। अपने वैश्विक प्रभाव में चीन अब व्यावहारिक रूप से संयुक्त राज्य

अमेरिका को टक्कर दे रहा है। चीन के संदर्भ में यह अनुमान लगाया गया है कि यह उम्मीद करना उचित होगा कि व्हाइट हाउस में न तो हैरिस और न ही ट्रम्प वास्तविक रूप से अपनी नीति और दिशा बदलते। उल्लेखनीय है कि बीजिंग को वाशिंगटन अपना वैश्विक अभिशाप मानता है और जिसके अगले दो दशकों या उससे अधिक समय तक बने रहने की संभावनाएं हैं इसलिए कोई भी अमेरिकी प्रशासन निकट भविष्य में भारत के साथ अपने संबंधों को कमजोर करने का जोखिम नहीं उठाएगा। भारत–चीन ने हाल में चार साल पुराने अपने सीमा विवाद को समाप्त कर दिया है लेकिन संबंधों में हालिया गर्माहट के बावजूद यह स्थिति नहीं बदलेगी। इस समझौते के कारण पैदा हुए नए हालात भारत को अमेरिका के साथ मजबूत रणनीतिक संबंधों, रूस के साथ ऐतिहासिक रूप से मजबूत मित्रता और अब चीन के साथ रिश्तों की अनूठी स्थिति में रखता है। उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप के नए प्रशासन में मोदी सरकार के प्रति निवर्तमान बाइडेन प्रशासन का सोचा समझा व्यावहारिक दृष्टिकोण जारी रहेगा। बाइडेन कई मोर्चों पर भारत–अमेरिका संबंधों को ऊंचा उठाते थे और व्यक्तिगत रूप से गहराई से जुड़े हुए थे। इसके विपरीत ट्रम्प के बारे में धारणा है कि टैक्स के मुद्दे पर अपनी असाधारण आसक्ति के अलावा एक क्षेत्र के रूप में दक्षिण एशिया के साथ और उसके केन्द्र के तौर पर उनके भारत के साथ ज्यादा जुड़ाव की कम उम्मीद है। ट्रम्प ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में भारत को च्एक प्रमुख श्उल्लंघनकर्ताश कहा है और भारत सहित दुनिया में कहीं से भी सभी आयातों पर एक पूर्ण टैरिफ संरचना की धमकी दी है। हालांकि यह देखा जाना बाकी है कि क्या वे वास्तव में उस खतरे को अंजाम देंगे जिस हद तक वे सभी देशों पर 20 प्रतिशत और चीन पर 60 फीसदी के बीच दावा कर चुके हैं। इसके अलावा, उनके नई दिल्ली के प्रति मैत्रीपूर्ण होने की संभावना है। व्हाइट हाउस में वापस आने पर अमेरिका को नया रूप देने की उनकी कट्टरपंथी योजनाओं को देखते हुए उनकी योजना में भारत के तुरंत शामिल होने की उम्मीद नहीं है। ब्लूमबर्ग इकानॉमिक्स के एक अनुमान के अनुसार, ट्रम्प टैरिफ के कारण भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2028 तक 0.1 प्रश कम होगा। यह छोटी संख्या है लेकिन द्विपक्षीय संबंधों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर पड़ सकता है। भारत के संदर्भ में ट्रम्प का एक ऐसा पहलू है जिसे अक्सर नजरंदाज किया जाता है, वह है भारत में उनके व्यावसायिक हित। पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार व लेखक डेविड के जॉनस्टन 1988 के बाद से ट्रम्प को सबसे लंबे समय तक कवर कर रहे हैं और उनका कहना है कि उनके कुछ सबसे लाभदायक निवेश भारत में हैं जहां इमारतों पर उनका नाम है। भारत के प्रति रुख का उनके कारोबारी हितों पर मामूली असर पड़ सकता है। ट्रम्प प्रशासन के दौरान द्विपक्षीय संबंधों का एक क्षेत्र–इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नालॉजी (आईसीईटी) है जिस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। तथ्य यह है कि आईसीईटी अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और उन्नत टेलीकम्युनिकेशन जैसी शक्तिशाली प्रौद्योगिकियों के स्पेक्ट्रम पर रणनीतिक सहयोग पर केंद्रित है और यह एक तरह से इसकी अपनी ढाल है। यह विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि चीन इन क्षेत्रों में सफलता हासिल करने के लिए बहुत तेजी से भाग रहा है। इसलिए भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों के लिए सहयोग करना महत्वपूर्ण है ताकि बीजिंग उनसे आगे निकल न जाए। समान रूप से अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र– आर्टिफिशियल इंटलिजेन्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी एवं क्लीन एनर्जी (क्लीन या कार्बन मुक्त एनर्जी का अर्थ इस प्रकार से विद्युत उत्पादन करने से है जिसमें इस दौरान कार्बन डाई आक्साईड जैसी ग्रीनहाऊस गैसों का सीधा उत्पादन न होता हो) हैं। ये सभी क्षेत्र अगले 100 वर्षों तक दुनिया के काम करने के तरीके को निर्धारित करेंगे।वैश्विक मुद्दा न होने के कारण भारत के समस्याग्रस्त पड़ोसियों जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान तथा कुछ हद तक श्रीलंका और नेपाल की ओर ट्रम्प विशेष ध्यान देगें– इसकी संभावना नहीं है। यदि हैरिस सत्ता में आती है तो यह अलग विषय हो सकता था, भले ही हैरिस ने पद भार संभालने की स्थिति में तुरंत बाद इन मुद्दों को किसी विशिष्ट समय में शामिल करने का विकल्प नहीं चुना हो। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में बाइडेन की तुलना में शायद सबसे बड़ा अंतर जलवायु परिवर्तन से निपटने के मामले में होगा जिसके नतीजे भारत और पूरे दक्षिण एशिया में हर दिन महसूस किए जाते हैं। ट्रम्प ने जलवायु परिवर्तन को एक श्धोखाधड़ीश कहा है और वे इसके बारे में ज्यादा परवाह नहीं करते हैं। इस राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान ऐतिहासिक रूप से भारत का उल्लेख बहुत मामूली रूप से हुआ। ट्रंप ने व्यापार के बारे मे उपहासात्मक तरीके से भारत का नाम लिया जबकि उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने केवल अपनी आधी जातीय विरासत के बारे में बात करते हुए भारत का जिक्र किया। नई दिल्ली के लिए व्हाइट हाउस में ट्रम्प की मौजूदगी रूस–यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में विशेष महत्व रखती हैं। बाइडेन के विपरीत, ट्रम्प यूक्रेन और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)।

हरियाणा की विफलता

अतीत में भी हरियाणा का लिंग अनुपात असंतुलन राज्य के लिये असहज करने वाली स्थिति ही रही है। कालांतर सरकार के प्रयासों व जन जागरूकता के चलते स्थिति में कुछ सुधार आया था। लेकिन एक बार फिर परेशान करने वाली हकीकत सामने आई है। दरअसल, वर्ष 2023 की तुलना में इस साल के दस महीनों की अवधि यानी जनवरी से अक्तूबर के बीच जन्म के समय लिंग अनुपात में ग्यारह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जिस राज्य को लगभग एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू करने के लिये चुना, वहां जन्म के समय लिंग अनुपात में फिर गिरावट दर्ज की गई है। लंबे समय से लिंग असंतुलन से जूझ रहे इस राज्य को एक बार फिर चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब इस साल के सिर्फ दो महीने की बाकी हैं, स्थिति में अधिक बदलाव की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। जैसे कि हालात हैं इतने कम समय में बड़ा बदलाव संभव नहीं है। तो इसे पिछले आठ वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में जन्म के समय का लिंगानुपात वर्ष 2015 में 876 से बढ़ने पर आशातीत परिवर्तन की शुरूआत हुई थी। इसी साल 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत भी की गई थी। कालांतर सरकारी प्रयास और जन भागीदारी से इस दिशा में आशातीत परिणाम सामने आए। जिसके चलते वर्ष 2019 में लिंगानुपात 923 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंचा था। लेकिन हाल के वर्षों में इसमें फिर गिरावट देखी जा रही है। जो तंत्र को आत्ममंथन को बाध्य करती है कि इस गिरावट के तात्कालिक कारण क्या हो सकते हैं। यह भी एक हकीकत है कि सकारात्मक बदलाव सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही संभव नहीं। इसके लिये समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना नितांत जरूरी हो गया है। यह भी एक हकीकत है कि हरियाणा में लिंग अनुपात में आई गिरावट कहीं न कहीं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता की ओर इशारा करती है। ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये जरूरी है कि बालिकाओं के जन्म को लेकर समाज में प्रगति की सोच विकसित की जाए। जिसका मकसद हो कि समाज में बालिकाओं के जन्म और अधिकारों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन लाया जाए। लोग बेटियों को लेकर किसी तरह की असुरक्षा महसूस न करें। मौजूदा स्थितियों को देखकत तो ऐसा लगता है कि हमारा तंत्र कन्या भ्रूण हत्या संकट खत्म करने के लक्ष्यों से अभी भी काफी दूर है। वहीं दूसरी ओर लिंग निर्धारण परीक्षणों में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की संख्या में इस साल आई चिंताजनक गिरावट कानून प्रवर्तन और स्वास्थ्य एजेंसियों की कार्यशैली पर एक सवालिया निशान भी है। निस्संदेह, भ्रूण हत्या जैसे कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से किसी भी स्तर पर चूक नहीं की जानी चाहिए। एक और बड़ी चुनौती समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलने की भी है। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि लिंगानुपात में विषमता उस राज्य के लिये शर्मिंदगी की ही बात है, जिसकी तमाम महिला खिलाड़ी, विशेष रूप से महिला पहलवान, महिला निशानेबाज और महिला मुक्केबाज अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में धूम मचा रही हैं। ऐसे वक्त में जब हाल ही में डबल इंजन सरकार को राज्य के लोगों ने लगातार तीसरी बार सकारात्मक परिवर्तन के लिये चुना है, उसका भी दायित्व बनता है कि तंत्र की कारगुजारियां समाज में बदलाव की वाहक बनें। इन हालात में हरियाणा को हमेशा लैंगिक समता के क्षेत्र में पिछड़ने के बजाय बेटियों का जश्न मनाने में अग्रणी रहना चाहिए।

मकान में सर्प दिखने से लोगों में दहशत, वन विभाग ने पकड़ा

श्रावस्ती,(यूएनएस)। विषैले सर्प के दिखने से परिवार के लोगों में दहशत फैल गई। जिसपर ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम ने सर्प को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा। जानकारी के अनुसार हरदत्तनगर गिरंट रेंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहनपुर भरथा निवासी नफीस के मकान में एक विषैले जीव सर्प (रसेल पाइपल) के दिखने से लोगों में हड़कंप मच गया। परिवार के लोगों में चीख पुकार होने लगी। तभी स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना के बाद क्षेत्रीय वनाधिकारी राम मिलन के निर्देश पर वन दरोगा विवेक श्रीवास्तव ने दैनिक श्रमिक पलटू राम, कपिल देव सिंह, अयोध्या प्रसाद के साथ मौके पर पहुंचकर मकान से सर्प को पकड़कर सुजान डीह जंगल में छोड़ दिया। तब जाकर परिजनों की सांसें थमीं।

विधिक सेवा जागरूकता दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

श्रावस्ती,(यूएनएस)। जमुनहा विकास खण्ड के अंतर्गत पीएम श्री विद्यालय जमुनहा के छात्रों द्वारा शनिवार को विधिक सेवा जागरूकता दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली निकालकर लोगों को अपने अधिकारों और विधिक सेवाओं के बारे में जानकारी दी। इस रैली का उद्देश्य आम जनता को न्याय और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना था, ताकि जरूरतमंद लोग सही समय पर न्याय प्राप्त कर सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य आलोक कुमार गुप्ता ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विधिक सेवा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना है। छात्रों ने इस अवसर पर न्याय सबका अधिकार है विधिक सहायता लें और अपने अधिकारों का संरक्षण करें जैसे नारों से लोगों को जागरूक किया। रैली में शामिल छात्रों ने क्षेत्र में घूम-घूमकर निवासियों को विभिन्न स्लोगन से जानकारी दी कि किस प्रकार वे मुफ्त विधिक सहायता का लाभ ले सकते हैं। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

मशीन से टूटे लोहे से युवक घायल, रेफर

श्रावस्ती,(यूएनएस)। धान की पुआल से चारा बनाते समय मशीन से निकले लोहे के टुकड़े ने युवक को घायल कर दिया। जिसको परिजनों ने सीएचसी में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार मल्हीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मल्हीपुर कला के मजरा खम्हरिया गांव निवासी महादेव आर्य (14) पुत्र चन्दर जो खेतों में धान की पुआल से पशुओं के लिए मशीन से चारा बनवा रहा था। कि तभी मशीन से कोई पार्ट्स अचानक टूटकर पास में काम कर रहे महादेव आर्य के सिर पर लग गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको मौके पर मौजूद परिजनों ने आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया।

आखिर कौन है राधेश्याम जिनके खाते पर प्रधान ने करवा दिया लाखों का भुगतान

सीतापुर,(यूएनएस)। वाह रे भ्रष्टाचारियों की भ्रष्ट कार्यशैली सरकारी धन को चट कर रहे योजनाओं के तहत सरकारी धन भनक किसी को नहीं और है भी तो कमीशन की मोटी कमाई ने डाल दिया पर्दा आखिर कैसे लगेगा भ्रष्टाचार पर अंकुश और कौन करेगा भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही। आप को बता दें कि जनपद सीतापुर के विकास खण्ड खैराबाद क्षेत्र की ग्राम पंचायत मालूही सरैया में सरकार द्वारा चलाई गई महत्वपूर्ण योजना के तहत कार्यों के नाम पर जमकर फर्जीवाड़ा किया गया और सरकार द्वारा खर्च किए गए धन की लूट घसूट की गई लेकिन ब्लाक पर जमे जिम्मेदार कर्मचारी कमीशन में मस्त रहे। जब की कोई भी भुगतान करने से पहले यह जांच करना जरूरी होता है कि कौन सा कितना भुगतान किसके खाते पर करना चाहिए लेकिन कमीशन के खेल में सब फेल है। सरकार को भी ठेंगा दिखाने से बाज नहीं आते। जानकारी के अनुसार सरैया मलुही में महिला प्रधान व सचिव की साथ गांठ से अपने परिजनों के नाम पर भारी भरकम धनराशि निकालने का खेल खेला गया है। जहां ससुर राधेश्याम के खाते पर लगभग 188980.00 विभिन्न तारीखों में निकल गया है।जैसे दिनांक 4 सितंबर को 27000 – 27000 रुपये के दो वाउचर द्वारा भुगतान किया गया है इसी प्रकार से भतीजे विपिन कुमार पुत्र शिवकुमार के खाते पर भी भुगतान किया गया है। वहीं अन्य परिजनों के नाम पर भी जानकारी के अनुसार भुगतान किया गया है जबकि शासन की मंशा यह है कि किसी भी व्यक्ति विशेष के खाते पर व परिजनों के खाते पर भुगतान न करके सीधे मजदूरों के खाते पर भुगतान किया जाए। यही प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर सचिव व प्रधान की मनमानी के चलते क्या इस प्रकार से भुगतान किए जाते रहते हैं और जिम्मेदार मौन धारण किए रहते हैं। या फिर कमीशन के खेल में विकासखंड पर बैठे जिम्मेदार चुप रहते हैं। अब देखना यह है की जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा संज्ञान लिया जाता है या फिर इसी प्रकार से ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार होता रहेगा और जिम्मेदार मौन धारण किए रहेंगे।

शिक्षिका शीला ने जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण,पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सुलतानपुर,(यूएनएस)। आज स्थानीय पशु चिकित्सालय कुड़वार के प्रांगण में शिक्षिका शीला द्वारा अपने मित्र प्रिया सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संदेश दिया कि जन्मदिन को यादगार बनाने का एक अनोखा तरीका है हर वर्ष एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करना। इससे न केवल हमारे पर्यावरण का संरक्षण होगा बल्कि यह भी एक अद्वितीय स्मृति के रूप में संजोया जा सकेगा।जन्मदिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कर जन्मदिन मनाने की यह एक प्रेरणादायक एवं पर्यावरण संरक्षण की सराहनीय पहल है, जिसे स्थानीय लोगों ने अत्यंत सकारात्मक और प्रशंसनीय बताया। इस अवसर पर पशु चिकित्सालय के डॉ. राहुल गुप्ता, डॉ. के. एस. तिवारी तथा समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने शिक्षिका शीला के इस सराहनीय कार्य की सराहना की और उनके मित्र को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

संगीतमयी कथा महोत्सव का आयोजन आर से

सुल्तानपुर,(यूएनएस)। लंभुआ नगर पंचायत के विवेक नगर स्थित चंदन मैरिज हॉल में संगीतमयी श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया गया है। श्रीराम कथा दस नवंबर से शुरू होकर बारह नवंबर तक चलेगी। आयोजकगण, पदाधिकारी अनूप बरनवाल ने बताया कि श्रीराम कथा महोत्सव में कथा व्यास एल.बी.सिंह रहेंगे। संगीतमयी श्रीराम कथा का महोत्सव रविवार दस नवंबर से शुरू होकर मंगलवार बारह नवंबर तक चलेगी। जिसके लिएनिर्धारित समय 6रू00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक रखा गया है। मुख्य आयोजकगण राकेश कुमार पांडेय डॉ.राम अभिलाष तिवारी,डॉ. प्रवीण पाठक ,सुभाष चंद्र जायसवाल,कृष्णचंद्र बरनवाल ने नगर पंचायत वासियों समेत लोगों को आमंत्रित किया है।

पियरी बाबा धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट ने बच्चों को वितरित की स्टेशनरी

सुल्तानपुर,(यूएनएस)। कंपोजिट विद्यालय बरेहता विकास क्षेत्र लंभुआ में श्री पियरी बाबा धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट द्वारा बच्चो को स्टेशनरी एवं प्रसाद का वितरण। डॉ. कुंवर बहादुर सिंह ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में किया गया। ब्लाक प्रमुख श्री सिंह ने ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा की प्रशंसा की और ग्राम सभा के विद्यालय प्रति प्रेम की प्रशंसा की। विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को भविष्य में हर संभव मदद करते रहने का आश्वासन भी दिया । ब्लाक प्रमुख श्री सिंह ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामहित चौरसिया।

काफी चर्चा में हैं रुपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा, फैशनेबल और हैं ग्लैमरस रुपाली गांगुली इन दिनों नेगेटिव वजह से चर्चा में हैं जबसे उनकी सौतेली बेटी ने उनको लेकर शॉकिंग दावे किए हैं कि एक्ट्रेस तब अश्विन के साथ रिलेशनशिप में आई थीं जब उनके पिता पहले से शादीशुदा थे।

विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

औरैया,(यूएनएस)। शनिवार को जिला सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया है कि माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश ध अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ,संजय कुमार वैश्य के कुशल दिशा निर्देशन में दिनांक 9 नवंबर को विधिक सेवा दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय , तहसील औरैया सभी ब्लॉको तथा जनपद के स्कूल व कॉलेजों में विधिक जागरूकता कार्यकमों तथा रैली का वृहद स्तर पर आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रेष्ठ पैनल लायर्स, श्रेष्ठ लीगल एड डिफेंस काउसिंल, श्रेष्ठ पीएलवी तथा श्रेष्ठ लीगल एड क्लीनिक के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि श्री मनराज सिंह, प्रभारी जनपद न्यायाधीश ध विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, औरैया द्वारा श्री अनिल कुमार चतुर्वेदी को श्रेष्ठ पैनल अधिवक्ता, श्री राघवेन्द्र सिंह को श्रेष्ठ पराविधिक स्वंय सेवक, श्री जितेन्द्र सिंह तोमर को श्रेष्ठ लीगल एड डिफेंस काउसिंल तथा तहसील बिधूना के लीगल एड क्लीनिक को श्रेष्ठ लीगल एड क्लीनिक के सम्मान से सम्मानित किया गया। श्री मनराज सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण औरैया में नियुक्त पैनल लायर्स, लीगल एड डिफेंस काउसिंल तथा पीएलवी के कार्यों सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण औरैया द्वारा आमजनमानस को दी जा रही विधिक सहायता की सराहना की गयी। इसके अतिरिक्त जिला मुख्यालय में जनपद न्यायालय के परिसर में रैली का आयोजन न्यायालय परिसर औरैया से ब्लॉक गेट ओरैया तक किया गया। रैली का शुभारम्भ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, स्वाति चन्द्रा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया तथा न्यायालय परिसर में स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विधिक सेवा दिवस के अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति के विधिक अधिकारो एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी।उक्त कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउसिंल सुश्री गगन जैन द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण औरैया श्रीमती स्वाति चन्द्रा द्वारा विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विस्तृत जानकारी दी गयी जिसमें उन्होनें बताया कि प्राधिकरण द्वारा गरीब, असहाय, अल्पसंख्यकों को निःशुल्क विधिक सहायता दी जाती है। श्री जितेन्द्र तोमर द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में नियुक्त पैनल लायर्स तथा पीएलवीगण द्वारा जरूरतमंदो को दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता को समाज की सबसे बड़ी सेवा बताया गया। श्री अनिल चतर्वेदी द्वारा लोगों को प्रीलिटिगेशन के महत्व को समझाया गया। इसके अतिरिक्त तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर तथा स्कूल व कॉलेजों में संबंधित अधिकारीगण द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजनमानस को विधिक अधिकारो तथा शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी। जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पैनल लायर्स पीएलीगण के साथ कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

इलाज के अभाव में किसी पशु की मृत्यु न होने पाये : जिलाधिकारी

जौनपुर,(यूएनएस)। शासन के निर्देश के क्रम में गोपाष्टमी के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कृषि भवन स्थित अस्थायी गोआश्रय स्थल नगर पालिका परिषद जौनपुर में गौमाता का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान उन्होंने गोवंशो को केला और गुड़ खिलाया। जिलाधिकारी ने मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा0 ओपी श्रीवास्तव को निर्देश दिया कि पशुओ के स्वास्थ्य की नियमित जांच की जाए। ईलाज के अभाव में किसी भी पशु की मृत्यु न हो। ठंड के दृष्टिगत शेड, तिरपाल बोरा सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लिया जाए। गो आश्रय स्थलों में नियमित रूप से साफ–सफाई, स्वच्छता और गोवंशो के लिए पीने हेतु स्वच्छ पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही गोपालन, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लोगों को जागरूक भी किया गया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि मार्गो पर निराश्रित गोवंश विचरण करते हुए ना पाए जाएं। गौशाला में गोवंशो के लिए विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं और प्रबुद्धजनों द्वारा लगभग 18 कुंतल हरा चारा, पालक, सब्जियां, केला इत्यादि उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पवन कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 सुशील कुमार, पशु चिकित्सक डा0 स्वतन्त्र सिंह, विभाग गोरक्षा प्रमुख, विश्व हिन्दु परिषद पवन कुमार मिश्रा, विभाग मंत्री विश्व हिन्दु परिषद समर बहादुर सिंह, अंकिचन फाउडेंशन के डा0 अमरनाथ पाण्डेय, जिला युवा प्रमुख विश्व हिन्दु परिषद राज दूबे, महामना प्रमुख ध्रुव कुशवाहा, नगर गौरक्षा प्रमुख शिव कुमार झा सहित अन्य गणमान्य लोग और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

योगी बोले–एएमयू सिर्फ मुस्लिमों की नहीं,सरकार का पैसा लगा, सबको आरक्षण मिले, आंखों में पट्टी बांधकर मत बैठिए

अलीगढ़,(यूएनएस)। सीएम योगी ने शनिवार को अलीगढ़ के खैर में चुनावी रैली की। इस दौरान अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर पहली बार प्रतिक्रिया दी। कहा यूनिवर्सिटी में मुस्लिमों को 50: आरक्षण मिलता है। ये व्यवस्था वे लोग खुद करते हैं। ये कैसे हो सकता है। इसमें भारत का भी पैसा लगा है। इसलिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ों को भी आरक्षण मिलना चाहिए। यही नहीं, वहां के नौकरियों भी आरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन ये सुविधा क्यों बंद की गई? क्योंकि सपा, बसपा और कांग्रेस सिर्फ वोट की राजनीति कर रही है। वोट बैंक को बचाने के लिए ये लोग आपकी भावना के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसलिए आंख पर पट्टी बांधकर मत बैठिए। अगर हम जाति और स्वार्थों में बंटे तो कटने के सिवाय कुछ नहीं बचा है। दरअसल, 8 नवंबर यानी कल सुप्रीम कोर्ट में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे पर सुनवाई हुई। 7 जजों की बेंच ने 4रू3 के बहुमत से दो हिस्सों में फैसला सुनाया है। पहला– 1967 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि एएमयू, अल्पसंख्यक दर्जे का दावा नहीं कर सकता। यानी अब एएमयू से माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशन नहीं होने का टैग हट गया है। दूसरा अब 3 जजों की एक नई बेंच यह फैसला करेगी कि ।डन, अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं। मैं इसलिए बार–बार कहता हूं...बंटिए मतअलीगढ़ में कांग्रेस ने जिस राजा महेंद्र प्रताप सिंह को भुला दिया था, उन्हीं राजा महेंद्र के नाम पर अलीगढ़ में राज्य विश्वविद्यालय दिया है। बंटिए मत। बंटे थे तो कटे थे। मैं इसीलिए बार–बार कहता हूं। देश का इतिहास बताता है कि बंटे थे, तो राम मंदिर का अपमान हमें झेलना पड़ा था। मथुरा में भगवान कान्हा की जन्मभूमि का अपमान सामने आया। काशी में भगवान विश्वनाथ का अपमान सामने आया। हमारी बहन–बेटियों को क्या कुछ नहीं सहना पड़ा? इन सबके बावजूद अगर हम आंखों में पट्ध्टी बांधकर जाति और स्वार्थों में बंटें हैं तो कटने के सिवाय कुछ नहीं बचा है। जिसने बेटियों को छेड़ा, उसका यमराज इंतजार करता हैअलीगढ़ में पहले 10–10 दिन का कर्फ्यू लगता था। आज साढ़े सात साल में कोई उपद्रव नहीं हुआ। किसी ने गुंडागर्दी, उपद्रव या बहन–बेटियों को छेड़नी की कोशिश नहीं की। उन्हें पता है कि ऐसा किया तो उसका यमराज इंतजार कर रहा होगा। दूसरी ओर उसकी संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांटने की व्यवस्था की जा रही होगी। पहले सपा के लोगों को पेंशन मिलती थीपहले पेंशन भी सपाइयों को मिलती थी। आम जनता को नहीं। जब डबल इंजन की सरकार आई तो बिना भेदभाव के पेंशन मिल रही है। अलीगढ़ का ताला उद्योग भी पुनर्जीवित हो गया। अब अलीगढ़ में भी अपना विश्वविद्यालय हो गया। विश्वविद्यालय आपकी पीढ़ी को बनाएगा। विपक्ष साजिश कर रहा... आपने देखा होगा कैसे ये लोग षड्यंत्र रच रहे हैं। लोकसभा चुनाव में कितना झूठ बोला था। सब एक्सपोज हो गए। कहते थे– खटाखट–खटाखट। 1–1 लाख रुपए देने की बात जो सपा और कांग्रेस वालों ने कही थी, वो रुपए कहां आ रहे हैं। आज चुनाव आ गया है, इनको सफाचट कर दीजिए। हम सुरक्षा की गारंटी देंगे, सुरेंद्र दिलेर को जिताइए...जब राजवीर सिंह दिलेर का टिकट कटा तो मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने कहा था कि पार्टी मेरी मां है। पार्टी का निर्णय सर्वोपरी है। उन्होंने जीवन के अंत तक भाजपा का साथ दिया। अब उनके बेटे सुरेंद्र दिलेर को मौका दें। उन्हें चुनाव जिताइए। हम आपकी सुरक्षा की गारंटी देंगे। विरासत और विकास का संगम क्या होता है? ये आपने काशी और अयोध्या में देखा है। मथुरा, वृंदावन और बरसाना में देख रहे हैं।

बीयर फैक्ट्री में 3 मजदूर झुलसे,पंप में खराबी आई तो चेंबर में उतरे थे

उन्नाव,(यूएनएस)। सदर कोतवाली क्षेत्र के अकरमपुर में स्थित एक बीयर फैक्ट्री में वर्ड कटर पंप खोलते समय खौलते पानी की चपेट में आने से तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को आनन फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन मामले को दबाने का प्रयास कर रहा है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। मगरवारा क्षेत्र का रहने वाला आदित्य पुत्र विशाल, अरविंद पुत्र रामगोपाल, नंदू पुत्र शिव प्रसाद अकरमपुर स्थित द मोहन गोल्ड वाटर बीयर फैक्ट्री में काम करते हैं। काम करने के दौरान ही वर्ड कटर पंप में कुछ खराबी आ गई। जिसको सुधारने के लिए तीनों नीचे चेंबर में उतर गए। इसी दौरान उसका ढक्कन खोलने समय गर्म पानी की फुहारें निकलने लगीं, जिससे तीनों मजदूर चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनकर फैक्ट्री प्रबंधन में मौजूद अन्य मजदूर दौड़े और उन्हें घायलावस्था में उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया है। उधर घटना की जानकारी फैक्ट्री में काम कर रहे अन्य साथियों ने परिजनों को दी। जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि उन्हें फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई और मामले को दबाने का भी प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण का संज्ञान लिया है और जांच पड़ताल में जुटी है। जिला अस्पताल में भर्ती घायल मजदूर ने बताया कि वार्ड कटर पंप को सुधारने के लिए उन्हें जब नीचे उतर गया तो उन्हें किसी तरह के कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए न ही उन्हें इस बात की जानकारी थी कि खोलने पर गर्म पानी अंदर से निकलेगा। लापरवाही के चलते हादसे की चपेट में आ गए।

मां ने जलते चूल्हे में नवजात बच्ची को फेंका,बच्ची गंभीर रूप से झुलसी

उन्नाव,(यूएनएस)। जिले के आसीवन थाना क्षेत्र के गांव कायमपुर निंबरवारा में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां ने अपनी नवजात बच्ची को जलते हुए चूल्हे में फेंक दिया। बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई, जिसे घर में मौजूद पिता ने समय रहते चूल्हे से बाहर निकाला और उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना शुक्रवार शाम करीब सात बजे की है। पीड़ित बच्ची के पिता सोनू ने बताया कि वह अपने घर से बाहर था, जब उसकी पत्नी रोशनी ने नवजात बच्ची को जलते चूल्हे में फेंक दिया। घर में मौजूद बड़ी बेटी खुशी की चीख सुनकर सोनू तुरंत घर वापस लौटा और बच्ची को चूल्हे से बाहर निकाला। इसके बाद उसे सीएचसी मियागंज में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को गंभीर देखते हुए उसे सिविल अस्पताल लखनऊ रेफर कर दिया। सोनू ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी रोशनी नशे की आदी है और शराब, गांजा, तथा भांग का सेवन करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे की लत के कारण रोशनी मानसिक रूप से अस्थिर हो गई थी, जिससे उसने यह घिनौना कदम उठाया। चिकित्सकों के अनुसार बच्ची की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसे लखनऊ सिविल अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बन गई है, और लोग हैरान हैं कि एक मां अपने बच्चे के साथ ऐसा भयानक व्यवहार कैसे कर सकती है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा जिला कार्यालय पर सक्रिय सदस्यता एवं संगठन चुनाव संबंधी कार्यशाला आयोजित

सीतापुर,(यूएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में प्रारंभिक सदस्यता पूर्ण होने पर व सक्रिय सदस्यता की क्रियाशीलता के साथ संगठन चुनाव को लेकर प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है इसी क्रम में जिले के संगठन चुनाव अधिकारी पूर्व जिला अध्यक्ष जालौन नागेंद्र गुप्ता जिला कार्यालय पर पहुंचे और कार्यालय पर आयोजित सक्रिय सदस्यता एवं संघटनात्मक चुनाव कार्यशाला का आयोजन किया गया सर्वप्रथम भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला प्रभारी नीरज सिंह व संगठन चुनाव अधिकारी नागेंद्र गुप्ता द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय महापुरुषों के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए इसके पश्चात अपने उद्बोधन में जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी राजेश शुक्ला ने बताया कि हम सब कार्यकर्ताओं ने संगठन के निर्देश के अनुसार प्रारंभिक सदस्यता की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है और अब सक्रिय सदस्यों का सत्यापन किया जा रहा है निरंतर सीतापुर जिला इकाई संगठन के निर्देशों के अनुसार कार्यरत है । और आने वाले समय में पार्टी का जो भी निर्देश होगा जिले का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उस पर निष्पक्ष भाव से अपनी सेवादेगा।अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि जिला संगठन चुनाव अधिकारी नागेंद्र गुप्ता ने संगठन के चुनाव की आगामी क्रियाविधि के विषय में विस्तार से बताया उन्होंने मंडल के कार्यकर्ताओं मोर्चों के पदाधिकारीयों व जिला पदाधिकारीयों से संवाद कर बूथ चुनाव प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा किया। और आगामी चुनावों पर भी प्रकाशडाला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी नीरज सिंह द्वारा पार्टी के चुनाव निर्देशों के विषय में विस्तार से बताया एवं सभी पदाधिकारीयों से निष्पक्ष भाव से भाग लेकर संगठन के निर्देशों को पालन करने का आवाहन किया कार्यक्रम को सीतापुर सदर सीट के निवर्तमान सांसद व राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सभापति राजेश वर्मा द्वारा भी संबोधित किया गया उन्होंने अपने संबोधन में चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले कभी पदाधिकारीयों से निष्पक्ष एवं निर्विवाद रूप से चुनाव संपन्न कराने का आवाहन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला सदस्यता प्रमुख सुधाकर शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यशाला के उपरांत जिला संगठन चुनाव अधिकारी नागेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में लोक–सभा वार पदाधिकारियो के साथ बैठक कर आगामी चुनाव प्रक्रिया पर विचार विमर्श किया गया एवं सभी से इस प्रक्रिया में अनुशासन एवं पार्टी का निर्देशों के अनुसार कार्य करने का आवाहन भी किया गया ध कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान विधायक निर्मल वर्मा विधायक शशांक त्रिवेदी विधायक मनीष रावत पूर्व जिला अध्यक्ष रामनरेश मिश्रा पूर्व जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा गोदावरी मिश्रा पूर्व एमएलसी राकेश सिंह क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र नीरज वर्मा विश्राम सागर राठौर संजय मिश्रा नैमिष रतन तिवारी उदित बाजपेई रमेश भार्गव भंवर सिंह जितेंद्र मेहरोत्रा भंवर सिंह कंचन प्रभा पांडे जया सिंह श्वेतांशु बाजपेई अजय विश्वकर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवक ट्रेन से गिरा, मौत,साथी ने चौन पुलिंग कर रोकी ट्रेन

उन्नाव,(यूएनएस)। लखनऊ–कानपुर रेल रूट पर अजगैन रेलवे स्टेशन के पास बीती रात एक दर्दनाक हादसे में भदोही से नौकरी की तलाश में निकले युवक की मौत हो गई। मृतक कैफ अंसारी अपने साथी दानिश के साथ ट्रेन में सवार होकर मजदूरी की तलाश में जा रहा था।

रास्ते में चलते ट्रेन से गिरने के कारण उसकी जान चली गई। घटना के बाद दानिश ने चेन पुलिंग कर हादसे की सूचना पुलिस को दी। भदोही जनपद के ग्राम जामुल के रहने वाले कैफ अंसारी (पुत्र अलाउद्दीन अंसारी) अपने दोस्त दानिश के साथ ट्रेन से यात्रा कर रहा था। अजगैन रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से एक अन्ना मवेशी टकरा गया, जिससे मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई। मवेशी के कुछ हिस्से ट्रेन के दरवाजे पर बैठे कैफ से टकरा गए, जिससे कैफ संतुलन खो बैठा और ट्रेन से नीचे गिर गया। दानिश ने घटना को देखते ही तुरंत चेन पुलिंग कर ट्रेन को रुकवाया और कैफ को खोजने।

बाधाओं को तोड़ना: महिला इंजीनियरों की यात्रा विषय पर आईईईई डब्लूआईई एफिनिटी ग्रुप द्वारा कार्यशाला आयोजित

अलीगढ़,(यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के आईईईई विमेन इन इंजीनियरिंग डब्लूआईई एफिनिटी ग्रुप द्वारा सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) में 'बाधाओं को तोड़ना: महिला इंजीनियरों की यात्रा' शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्राओं को इंजीनियरिंग करने और पारंपरिक रूप से पुरुष–प्रधान क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना था। सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) की प्रिंसिपल नगमा इरफान ने स्वागत किया। डब्लूआईई की फैकल्टी सलाहकार और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, साथ ही सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड ग्रीन एंड रिन्यूएबल एनर्जी की समन्वयक डा सफिया अख्तर काजमी ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया। आईईईई छात्र प्रतिनिधियों ने इंजीनियरिंग में महिलाओं के लिए वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा की और चुनौतियों और उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला। डॉ. कुर्रतुलैन ने 'सशक्तीकरण परिवर्तनरू चुनौतियों पर काबू पाना और इंजीनियरिंग में महिलाओं के भविष्य को आकार देना' विषय पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें छात्राओं को इस क्षेत्र में एक आशाजनक भविष्य की कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। श्रीमती जुवेरिया साजिद ने 'सफलता का मागर्रू विदेश में अध्ययन' विषय पर व्यावहारिक सलाह दी, जो अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और करियर में रुचि रखने वाली छात्राओं के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। 'महिला इंजीनियरों के बारे में मिथक और तथ्य' सत्र के साथ एक प्रश्नोत्तरी और एक प्रेरक इंटरैक्टिव गतिविधियों में प्रतिभागियों को शामिल किया गया और महिला इंजीनियरों की उभरती भूमिका पर चिंतन को प्रेरित किया गया।

प्रयागराज में चपरासी की शिकायत पर बीईओ सस्पेंड

परिचित फर्म को भुगतान करने के लगे आरोप, शिक्षकों ने जताई नाराजगी

प्रयागराज। प्रयागराज में चपरासी की शिकायत पर मांडा के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) राजीव प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया गया है। अपर के शिक्षा निदेशक बेसिक कामताराम पाल ने निलंबन आदेश जारी करते हुए आरोपों की जांच शिक्षा निदेशालय के उप शिक्षा निदेशक (विज्ञान) को सौंपी है।

बीईओ कार्यालय मांडा के परिचारक ज्योति प्रकाश ने सात अक्तूबर 2023 को बीईओ राजीव प्रताप सिंह के खिलाफ शिकायती पत्र भेजा था। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के 26 दिसंबर 2023 के आदेश पर मंडलीय सहायक बेसिक शिक्षा निदेशक से जांच कराई गई।

मंडलीय सहायक बेसिक शिक्षा निदेशक की 18 सितंबर 2024 की जांच रिपोर्ट में शासन के निर्देशों का अनुपालन न करने, निपुण भारत मिशन, वित्तीय रख–रखाव, शैक्षणिक गुणवत्ता, छात्रध्अध्यापकों की उपस्थिति एवं एमडीएम की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने और कम्पोजिट ग्रान्ट, खेलकूद सामग्री, पुस्तकालय की पुस्तक, विद्युतीकरण, किचेन फेन्सिग आदि का कार्य अपनी परिचित फर्मों से कराकर भुगतान करने के लिए प्रथम दृष्टया दोषी मिलने के कारण बीईओ राजीव प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

निलंबन अवधि में राजीव प्रताप सिंह बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय प्रयागराज सम्बद्ध रहेंगे। बता दें कि बीईओ पर हुई कार्रवाई के बाद शिक्षकों में काफी रोष है। मांडा ब्लॉक के शिक्षक संघ के अध्यक्ष मूचकुंद मिश्र ने बताया कि ईमानदार अधिकारी पर कार्रवाई की गई है यह बेहद अफसोस जनक है।

प्रयागराज में बिजली विभाग के कर्मचारियों पर छेड़छाड़ का आरोप

सैकड़ों की संख्या में महिलाएं जूनियर इंजीनियर सहित अन्य के खिलाफ थाने पहुंची

प्रयागराज। प्रयागराज में गांव की महिलाओं ने बिजली विभाग के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बारा थाना क्षेत्र के पाल खोरिया ग्राम

सभा की महिलाओं ने अवर अभियंता सहित विद्युत विभाग के कर्मचारियों पर छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगाया है। साथ ही थाना बारा में मुकदमा पंजीकृत कराने सैकड़ों की संख्या में पहुंच गईं। बीते एक दिन पहले विद्युत विभाग के कर्मचारी, गांव में बिजली की वसूली करने के लिए गए थे। जिसमें कर्मचारी मनमाने तरीके से विद्युत तार काट रहे थे जिसे रोकने के लिए जब गांव के लोग पहुंचे तो कर्मचारियों ने महिलाओं को अपशब्द बोले। जिससे आक्रोश में आकर महिलाएं बारा थाने पर मुकदमा पंजीकृत करवाने के लिए पहुंची।

प्रयागराज में फांसी लगाकर युवक ने दी जान

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, परिजनों में मचा कोहराम

प्रयागराज। प्रयागराज के कोरांव थाना क्षेत्र के गाड़िया मुरलीपुर गांव में बीती रात पंखे के सहारे फासी के फंदे पर युवक का लटकता शव मिला। इससे परिजनों में कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच– पड़ताल में जुट गई है। मिली जानकारी अनुसार,कोरांव थाना अंतर्गत

गाड़िया मुरलीपुर गांव निवासी विकास दुबे रोजाना की तरह बीती रात भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह जब विकास काफी देरी बाद भी सोकर नहीं उठा तो परिजनों ने उसका दरवाजा खटखटाया। फिर भी अंदर से कोई आवाज नहीं आई। अनहोनी को लेकर परिजनों ने खिड़की से अंदर देखा तो विकास का शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। विकास की मौत हो लेकर परिजनों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की भारी तादात में भीड़ जुट गई। इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतार कर कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया है। मामले में कोरांव थाना प्रभारी नितेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच की जा रही है। जल्द ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. : 11320242025 दिनांक : 07.11.2024

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदां ए प्रपत्र पर दिनांक 29.11.2024 तक आंमत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है :

नि0 सं0 : 240	जेम बिड सं0 : GEM/2024/B/5584972 दिनांक : 07.11.2024
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल इंजीनियर/नैनी, सहायक मण्डल इंजीनियर/मिर्जापुर एवं सहायक मण्डल इंजीनियर/चुनार के अन्तर्गत आपात कालीन के दौरान ट्रैक के सुरक्षा हेतु मरम्मत सहित अन्य सुरक्षा कार्यों और ट्रैक पर ठंड के मौसम के दौरान रात्रि गश्त का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू) : 1,12,32,348.30	अग्रिम धन राशि मूल्य (रू) : 2,24,650
कार्य समापन की अवधि : 03 माह	निविदा खुलने की तिथि : 29.11.2024
पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कोई पी0 वे0 का कार्य	

नोट : (1) आनलाइन निविदा खुलने की तिथि 29.11.2024 तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in. पर दिनांक 29.11.2024 तक उपलब्ध है। 1950/24 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

जिसने किया चापड़ से हमला उसने जेल में लगाई फांसी

नैनी जेल में बंदी की सुसाइड से उठे सवाल, सेंट्रल जेल परिसर की सुरक्षा के हैं खास इंतजाम

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी जेल में अफरोज नाम के विचाराधीन बंदी ने फांसी लगाकर जान दे दी। जानलेवा हमले के मामले में अफरोज जेल गया था। शनिवार को उसने जेल के अहाते में गमछे से फांसी लगा ली। उसे तुरंत स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जेल प्रशासन की ओर से अफरोज के परिवार वालों को सूचना दी गई कि उसकी तबीयत खराब थी।

नैनी सेंट्रल जेल में जहां हाई सिक्यारिटी इंतजाम हैं। वहां बंदी के फांसी लगाने पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि जेल प्रशासन ने लापरवाही में एक सिपाही को सस्पेंड किया है, लेकिन बंदी के परिवार वाले आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सुरक्षा के हैं खास इंतजाम, फिर कैसी लापरवाही

नैनी सेंट्रल जेल परिसर में ही जिला जेल तैयार की गई है। अब इसी में बंदियों को रखा जाने लगा है। सेंट्रल जेल परिवार की सुरक्षा के खास इंतजाम हैं। यहां आतंकी, माफिया, नामी शूटर्स बंद हैं। सेंट्रल जेल के साथ ही जिला जेल में सुरक्षा के खास इंतजाम हैं। ऐसे में एक बंदी चुपके से खिड़की तक पहुंच फांसी लगा लेता है। यह सवाल सबको परेशान कर रहा है।

नैनी थाना क्षेत्र के इंदलपुर इलाके के रहने वाले अफसर अली के बेटे अफरोज अली को छह जून को नैनी पुलिस ने अरेस्ट कर जेल भेजा था। अफसर पर आरोप है कि उसने डांडी नैनी के रहने वाले शमशाद अली के बेटे आसिफ अली पर चापड़ से हमला कर दिया था। आसिफ की गर्दन में चापड़ लगा था। बमुश्किल उसकी जान बच सकी।

5 जून की वारदात के बाद छह जून को नैनी पुलिस ने आरोपी अफरोज को अरेस्ट कर जेल भेज दिया था। अफरोज की निशानदेही पर पुलिस ने चापड़ बरामद किया था। तब से अफरोज नैनी जेल में था।

अफरोज के पिता ने उठाए सवाल

जेल में फांसी लगाकर जान देने वाले अफरोज के पिता अफसर अली ने घटना पर सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि दो दिन पहले अफरोज की मां जेल में उससे मिलने गई थी। तब वह एकदम ठीक था। उसने अपनी मां से बातचीत कर खुद को बेगुनाह बताया था। उसकी जमानत का प्रयास चल रहा था।

फिर अचानक यह घटना हो गई। उसका कहना है कि शनिवार सुबह उसे सूचना दी गई कि अफरोज बीमार है। उसे एसआरएन अस्पताल ले जाया गया है। वहां पहुंचे तो पता चला अफरोज की मौत हो गई है। लाश पोस्टमार्टम हाउस में रखी है।

दो दिन से बीमार था

बताते हैं कि अफरोज जेल में रहने के दौरान बीमार हो गया था। उसे जेल अस्पताल में रखा गया था। शुगर लेवल बहुत कम हो गया था। वह बहुत तनाव में था। उसे मनो चिकित्सक को भी दिखाया गया था। शनिवार को वह किसी बहाने अहाते पहुंचा और फांसी लगाकर जान दे दी। इस मामले पर जेल प्रशासन के अधिकारी चुप हैं। नैनी पुलिस को अफरोज की मौत की सूचना दी गई है। हालांकि नैनी पुलिस भी जेल के भीतर क्या हुआ इसे लेकर कुछ बोलने को तैयार नहीं है। रविवार को अफरोज के शव का पोस्टमार्टम होगा।

एसटीएफ ने 50 हजार का इनामी पकड़ा

2022 में युवक का अपहरण कर हत्या की थी, लाश सोहागी पहाड़ी पर फेंकी

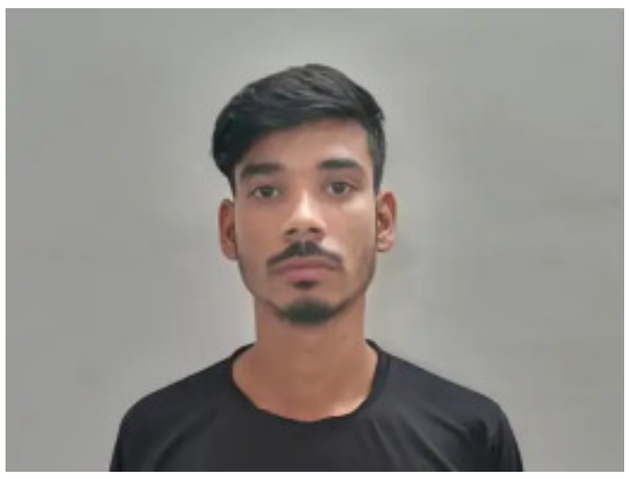

प्रयागराज। यूपी एसटीएफ और प्रयागराज पुलिस ने फरार चल रहे 50,000 के इनामी अंशु गुप्ता को अरेस्ट कर लिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के मीरगंज के रहने वाले सदाशिव गुप्ता के बेटे अंशु को ललित नगर नई पानी की टंकी रेलवे कालोनी से पकड़ा गया। पकड़े गए अंशु गुप्ता ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक अप्रैल 2022 को प्रयागराज के अतरसुइया के रहने वाले आदर्श केसरवानी का अपहरण कर लिया था। अंशु और उसके साथियों ने आदर्श की हत्या करने के बाद लाश को सोहागी पहाड़ी मध्य प्रदेश में फेक दिया था। हत्या के बाद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी तो राज खुला था। इसके बाद से अंशु गुप्ता फरार हो गया था। दो साल से पुलिस और एसटीएफ अंशु को तलाश रही थी। सटीक सूचना पर रविवार को घेराबंदी कर उसे दबोच लिया गया। शैलेश प्रताप सिंह पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ फील्ड इकाई प्रयागराज के निर्देशन में निरीक्षक जय प्रकाश राय ने टीम के साथ गिरफ्तारी की। इंस्पेक्टर जेपी राय ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त अंशु गुप्ता ने पूछताछ में बताया कि मोनू सारस्वत निवासी भारती भवन थाना कोतवाली और नयन वैश्य, सुमित चौरसिया हम तीनों दोस्त हैं। शहर के रानीमण्डी का रहने वाला आदर्श केसरवानी कई हरकतें कर रहा था। वह मोनू सारस्वत की पत्नी कोमल को परेशान करता था। इसके बाद उसकी हत्या की योजना बनाई गई। मोनू सारस्वत तथा उसकी पत्नी कोमल ने भी साथ दिया। इसके बाद 01–04–2022 को आदर्श का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और लाश सुहागी पहाड़ी के पास फेंक दी थी।

गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग

प्रयागराज में संत महात्माओं ने उठाया मुद्दा

प्रयागराज। प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुरधाम में श्री तुलसी साहित्य प्रचार समिति, श्रृंग्वेरपुर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और संत महात्माओं ने गो माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग उठाई है। संस्थाओं ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर मांग किया है कि गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए। उनका कहना है कि राम मंदिर निर्माण और धारा 370 के बाद अब इस मांग को पूरा करने का समय आ गया है।

गाय सबका पालन करती है और धर्म शास्त्रों में उसे सबकी माता कहा गया है। इसलिए गाय को अब राष्ट्र माता का दर्जा देकर संतों की दशकों पुरानी मांग को पूरा किया जाना चाहिए।

श्रृंग्वेतपुरधाम के श्रीराम विश्राम आश्रम मे श्री तुलसी साहित्य प्रचार समिति, श्रृंग्वेरपुर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एवं साधु संतों ने गो माता को वस्त्र और पूजन सामग्री चढ़ाकर मिष्ठान का भोग लगाया। इसी के साथ गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की मांग भी तेज हो गई।

श्रृंग्वेरपुरधाम पीठाधीश्वर महंत रामप्रसाद दास शास्त्री महाराज ने कहा कि गाय महत्ता को ध्यान में रखते हुए गाय को देश की राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाना चाहिए। महंत रामप्रसाद दास शास्त्री महाराज ने कहा कि गाय पूरे विश्व की माता है। देश के प्रधानमंत्री से हमारी मांग है कि भारत देश सहित सभी राज्यों में गाय को माता का दर्जा दिया जाना चाहिए।

सनातन धर्म के वेद ग्रंथो मे गाय की महिमा का बखान किया गया है। श्रृंग्वेरपुर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी ने कहा कि समाज में गो रक्षा का प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण है। बिना गो रक्षा के समाज का संचालन अधूरा है। सनातनी हिन्दुओं की तरफ से हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गो माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की मांग करते है।

वहीं धरणीधर महाराज ने कहा कि गोपाष्टमी का पर्व बिना गो माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए बिना अधूरा है। इस अवसर पर संत रामानंद, वैभव मिश्र, वरुण द्विवेदी, अनुराग कुमार उपस्थित रहे।

स्टील ब्रिज का काम 10 दिसंबर तक होगा पूरा

महाकुंभ को देखते हुए गंगा नदी पर तैयार किया जा रहा है स्टील ब्रिज

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर कनेक्टीविटी मिल सके, इसको लेकर भी प्रशासन की तरफ से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसको देखते हुए ही गंगा नदी पर सिक्सलेन पुल का निर्माण कराया जा रहा है। पुल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, फिर भी महाकुंभ के पहले उसके पूरा होने में संशय है। इसको देखते हुए शासन की तरफ से गंगा नदी पर दो स्टील पुल तैयार कराने का निर्देश दिया गया है।इस स्टील पुल को 10 दिसंबर तक किसी भी हालत में पूरा करने का निर्देश दिया गया है। शासन की तरफ महाकुंभ को लेकर गंगा नदी पर तैयार कराए जा रहे रीवर फ्रंट टाइप रोड का कार्य भी 30 नवंबर तक पूरा करने का आदेश दिया गया है। महाकुंभ 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा से के पहले स्नान से शुरू होगा। इसके अगले ही दिन मकर संक्रांति का पहला मुख्य स्नान पर्व है। उसके पहले एक जनवरी से ही संत, महात्माओं, अखाड़ों के नागा साधु, संयासी भी आने लगेगें। इसी को देखते हुए शासन की तरफ से दिसंबर में ही सभी जरूरी कार्य को पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है। जिससे मेले के आयोजन में किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो सके।

महाकुंभ में प्लास्टिक बैन, दोने-पत्तल- कुल्हड़ के स्टॉल लगेंगे

मेला क्षेत्र के साथ ही शहर में भी प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोका गया, स्वच्छ और ग्रीन महाकुंभ की तैयारी

प्रयागराज। देश के सबसे बड़े धार्मिक मेले महाकुंभ में स्वच्छ मिशन अभियान भी पूरा किया जाएगा। महाकुंभ– 2025 में योगी सरकार स्वच्छ और ग्रीन महाकुंभ बनाएगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हैं। महाकुंभ को पूरी तरह से प्लास्टिक फ्री बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सीएम योगी ने इसे लेकर विशेष तैयारी का निर्देश दिया है। महाकुंभ के दौरान पूरे प्रयागराज को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू हो गया है। महाकुंभ में सिंगल यूज्ड प्लास्टिक को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। मेला क्षेत्र के साथ शहर में प्राकृतिक उत्पाद दोना, पत्तल, कुल्हड़ और जूट व कपड़े के थैलों का प्रयोग होगा। इसके लिए मेला क्षेत्र में ही जूट व कपड़े के थैले, दोने, पत्तल और कुल्हड़ के स्टॉल खोले जाएंगे। इसके लिए टेंडर निकाले जा रहे हैं। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर महाकुंभ में प्लास्टिक के सामानों के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सामानों के स्टॉल लगेंगे। दोने, पत्तल, कुल्हड़ व कपड़े या जूट के थैलों के स्टॉल लगाने के लिए निविदा जारी की गई है। इन स्टॉल से किसी भी तरह के सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के उत्पादों के प्रयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। प्लास्टिक फ्री महाकुंभ के मद्देनजर मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने शहर को विभिन्न जोन में बांटते हुए हर जोन के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

प्रयागराज में पत्रकार के घर से लाखों के जेवरात चोरी

मां की तेरहवीं के कार्यक्रम में परिवार सहित पैतृक गांव गए थे

प्रयागराज। प्रयागराज के पड़रिया गांव में अज्ञात चोरों ने दरवाजों की कुंडी काटी और खिड़की तोड़कर घर के अंदर घुस गए। जहां से नकदी समेत लाखों के जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक शारदा प्रताप सिंह पेशे से पत्रकार है। उनकी माता मानवती सिंह का निधन हो जाने के बाद क्रिया कर्म करने के लिए परिवार समेत पैतृक गांव ओबरी चले गए थे। बीते शनिवार को माता का तेरहवीं का कार्यक्रम पैतृक गांव में था। पड़रिया वाले घर पर कोई भी नहीं था। रात 9 बजे के करीब पत्रकार शारदा प्रताप सिंह जब अपने घर पड़रिया पहुंचे तो देखा सामने के दरवाजे की कुंडी टूटी हुई थी। जिससे उनके होश उड़ गए। जब घर के अंदर गए तो कमरों के दरवाजों की कुंडियां टूटी हुई थीं। कमरों में रखे बॉक्स व आलमारी भी टूटी हुई थी और पूरा सामान इधर उधर बिखरा हुआ था। पीड़ित पत्रकार ने मामले की सूचना इलाकाई पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस ने रात में ही घटना का स्थलीय निरीक्षण कर लिया था। शारदा सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की। तहरीर के अनुसार चोरी किए गए जेवरातों में 6 नग अंगूठी सोने की, दो नग सोने की चौन, दो जोड़ी कंगन सोने का, गले का हार सेट सोने का, दो जोड़ी झुमका सोने का, दो नग चांदी की थाली, एक नग नारियल चांदी का, चांदी के हल्दी, चांदी के लक्ष्मी गणेश की मूर्ति, चांदी के पान सुपारी, चांदी के कटोरी चम्मच, तीन नग पायल व बच्चों का चांदी का कड़ा समेत 12 हजार नकदी अज्ञात चोर उठा ले गए हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062